थी, केवल कल्पना ही प्रतीत होती है।

अशोक की विजय — अशोक के प्रारंभिक शासन के सम्बंध में हमें किसी प्रकार की जानकारी नहीं मिलती है जो कुछ सूचनायें हमें इसके सम्बंध में मिलती है उससे पता चलता है कि अशोक ने अपने शासन काल के १२ वें वर्षों तक अपने पूर्वजों की ही तरह शासन किया। इसने विदेशों के साथ सम्बंध बनाये रखकर अपने राज्य का विस्तार किया। विदेशों में अपना राजदूत उसने भेजा तथा विदेशों से आये राजदूतों का स्वागत किया। भारत के अन्य राजाओं की तरह उसका राजनैतिक आदर्श दिग्विजय था। फलत: उसने जो देश भारत के अधीन नहीं थे उन पर आक्रमण की योजना बनाई।

(1) काश्मीर विजय — कल्हण की "राजतरंगिणी" से पता चलता है कि अशोक ने